जुलाई 2012

**मान्नीय महोदय,**

**सादर जय जिनेन्द्र**

आप एवं आपके परिवार की कुशलता की प्रार्थना भगवान चंद्रप्रभु से करते हुये माह जुलाई 2012 में आपकी इस संस्था की गतिविधियों तथा प्रगति की जानकारी इस पत्र के माध्यम से आपको प्रेषित है।

06 अगस्त 2012 दैनिक भास्कर समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार बी.फार्मा. में प्रदेश के 90 फॉर्मेसी कॉलेजों में करीब साढ़े आठ हजार सीटें हैं, जिनमें से केवल 8% सीटें ही भर सकी हैं। किन्तु प.पू. आचार्य श्री के आशीर्वाद एवं भाग्योदय तीर्थ फॉर्मेसी कॉलेज की श्रेष्ठता के कारण इस कॉलेज की सभी सीटें जुलाई माह के द्वितीय सप्ताह में ही भर गयी। आज की स्थिति में प्रवेश के लिये आ रहे छात्र–छात्राओं को मजबूरन मना करना पड़ रहा है। यह स्थिति छात्र–छात्राओं द्वारा किये जा रहे उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं शिक्षकगण के परिश्रम का परिणाम हैं। भाग्योदय तीर्थ फॉर्मेसी कॉलेज की छात्रा स्वाति जैन ने एक बार पुनः स्वयं तथा संस्था का नाम सम्पूर्ण भारत में रोशन किया है। NIPER (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मासिटिकल एजूकेशन एंड रिसर्च) द्वारा आयोजित परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर सम्पूर्ण भारत में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

आपके ट्रस्ट द्वारा संचालित कॉलेजों में शिक्षा के साथ–2 सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन भी किया जाता रहता है। इसी श्रृंखला में दिनांक 28 जुलाई 2012 को नर्सिंग कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय वि.वि. सागर से पधारे प्रो. दिवाकर शर्मा (परीक्षा कंट्रोलर) तथा प्रो. राजीव निगम (असि. रजिस्ट्रार) के आतिथ्य में LAMP LIGHTING कार्यक्रम आयोजित कर नर्सिंग सेवा की शपथ ग्रहण की तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन कर उपस्थित जन समूह की सराहना हासिल की।

ट्रस्ट के निर्णयानुसार CCTV Camera तथा Hospital Computerization का कार्य प्रगति पर है। इसी तारतम्य में Hospital के ओपीडी विभाग का पूर्ण रूपेण कम्प्यूट्रीकरण दिनांक 26.07.2012 से हो गया है।

आपकी संस्था के स्थापना वर्ष 1998 से मार्च 2012 तक कुल 65918 मरीज आईपीडी का लाभ ले चुके हैं।

**माह जुलाई 2012 में R.481099.00 की चेरिटी आपके संस्थान द्वारा मरीजों के लिए की गयी है।**

उपरोक्त जानकारी पश्चात् आपसे अनुरोध है कि यदि आपका पोस्टल एड्रेस या दूरभाष नं. बदल गया हो या बदलने जा रहे हों तो हमें 09827250752 पर एसएमएस करके या btct.saugor@gmail.com पर अवगत कराने का कष्ट करें। साथ ही आपके परिवारजन/मित्रगण आदि भाग्योदय तीर्थ के सहयोगी रहे हों या सहयोगी बनना चाहते हैं तो उनके पता/दूरभाष नम्बर से भी अवगत कराने का कष्ट करें। ताकि उन्हें भी संस्था की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रेषित कर सकें।

**प.पू. 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज** की प्रेरणा एवं मंगलाशीष से निर्मित यह संस्थान आपके द्वारा दिये गये सहयोग से ही प्रगति पथ पर अग्रसर हैं तथा सम्पूर्ण बुन्देलखण्ड में पीड़ित मानवता की सेवार्थ जाना जाता है। आपका सहयोग ऐसा ही बना रहे ऐसी हमारी भावना है। पत्र के अंत में आपसे निवेदन है कि संस्था के हितार्थ आपका जो भी मार्गदर्शन हो हमें अवश्य अवगत कराने का कष्ट करें। भाग्योदय तीर्थ परिवार की ओर से . . .

**संतोष खरे**
जनसंपर्क अधिकारी